सत्यमेव जयते

आज़ादी का अमृत महोत्सव

वन उत्पादकता संस्थान, रांची

(भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद देहरादून)

पर्यावरण,वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार

प्रतिष्ठित सप्ताह (ICONIC WEEK)

(04.10.2021-10.10.2021)

"आजादी का अमृत महोत्सव" के अंतर्गत एकल “प्लास्टिक उन्मूलन जागरुकता एवं स्वच्छता अभियान”

Ministry of
Environment, Forest and Climate Change
Government of India

ICONIC WEEK

4-10th October 2021

Campaign to avoid single use plastics

आज़ादी का अमृत महोत्सव

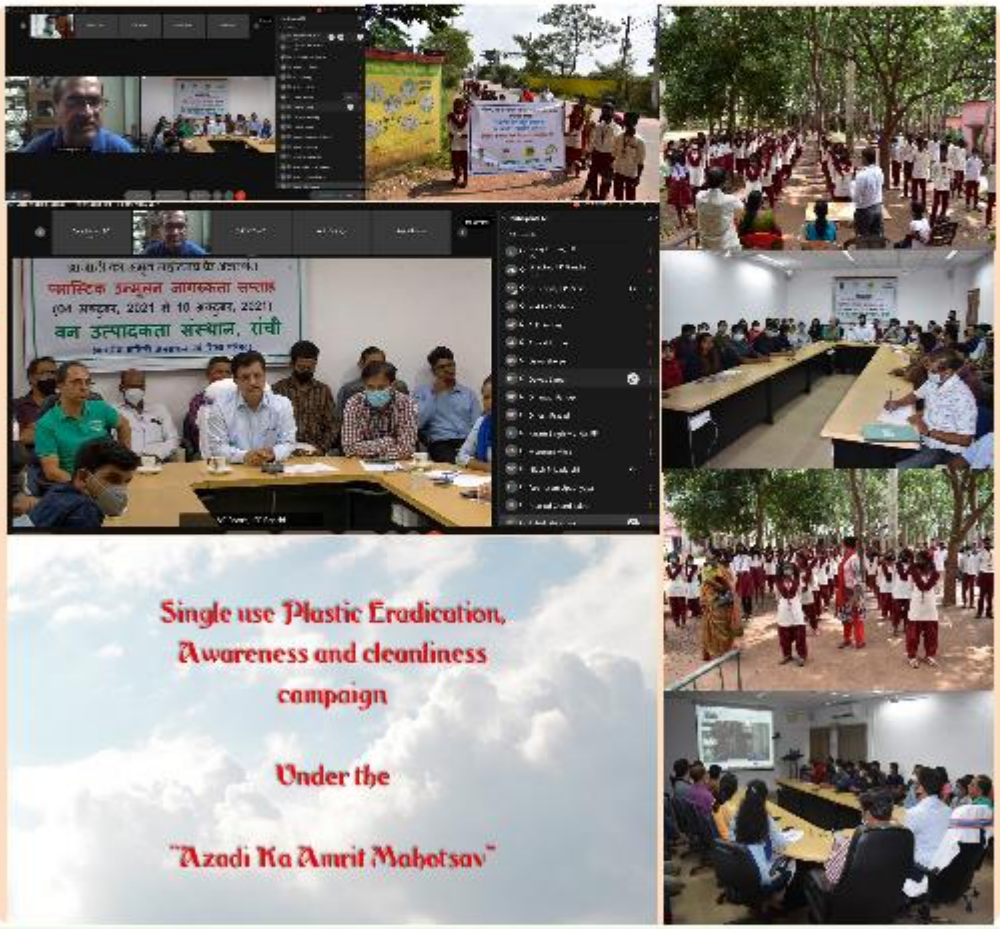

Single use Plastic Eradication,
Awareness and cleanliness
campaign

Under the

"Azadi Ka Amrit Mahotsav"

INSTITUTE OF FOREST PRODUCTIVITY, RANCHI

(INDIAN COUNCIL OF FORESTRY RESEARCH AND EDUCATION)

Ranchi Gumla Road, NH-23 Ranchi

भारत सरकार के 2022 तक एकल उपयोग के प्लास्टिक को चरणबद्ध तरीके से हटाने के उद्देश्य से पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत चयनित प्रतिष्ठित सप्ताह (Iconic Week) (04.10.2021 से 10.10.2021) के लिये भारतीय वानिकी अनुसंधान शिक्षा परिषद देहरादून के आदेशानुसार वन उत्पादकता संस्थान, रांची द्वारा दिनांक 06.10.2021 एवं 08.10.2021 को क्रमशः "एकल उपयोग के प्लास्टिक से बचे" तथा "स्वच्छता अभियान" का आयोजन किया गया जिसमे कोरोना के दिशा निर्देशों को पालन करते हुए संस्थान के लगभग 89 कर्मचारियों,अधिकारियों तथा 65 विद्यार्थियो एव शिक्षको ने भौतिक अथवा आभासीय मंच द्वारा भाग लिया।

आयोजन (क)

"आजादी का अमृत महोत्सव" के प्रतिष्ठित सप्ताह के अंतर्गत

"एकल उपयोग के प्लास्टिक से बचे" विषय पर आयोजित वेबिनार

दिनांक : 06.10.2021

वन उत्पादकता संस्थान, रांची द्वारा संस्थान में दिनांक 06.10.2021 को "एकल उपयोग के प्लास्टिक से बचे" विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमे कोरोना के दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए संस्थान के लगभग 89 कर्मचारियों,

अधिकारियों ने भौतिक अथवा आभासीय मंच द्वारा भाग लिया। इस कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण आमंत्रित पर्यावरणविद डा. नितीश प्रियदर्शी रहे।

अपने संबोधन में समूह समन्वयक (अनुसंधान) ने कार्यक्रम की आवश्यकता की जानकारी देते हुये बताया कि आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत आयोजित यह कार्यक्रम प्रदूषण के प्रति जागरुकता फैलाने तथा एकल उपयोग के प्लास्टिक से बचने के लिए एक आह्वाहन के रुप में लिया जा रहा है। प्लास्टिक प्रदूषण मानव जनित प्रदूषण होने के कारण जागरुकता ही इसके निदान का एक मात्र उपाय है। प्लास्टिक से होने वाले प्रदूषण को एक ज्वलंत समस्या बताते हुए उन्होने कहा कि यह धीरे–धीरे हमारी आवश्यकताओं का एक हिस्सा बनता गया। ओडिशा के पुरी शहर का उदाहरण देते हुए उन्होंने बताया कि प्लास्टिक बोतल के उपयोग को हतोत्साहित करने के लिए की गयी पहल सराहनीय है और कई राज्य इसका अनुसरण कर रहे हैं।

आमत्रित मुख्य वक्ता डा. नितीश प्रियदर्शी ने प्रदूषण और महाविनाश को एक साथ जोड़ते हुए 4.5 बिलियन साल पुरानी धरती के प्रादुर्भाव से महाविनाश की ओर बढ़ रहे मानव सभ्यता के लिए मानव को सबसे बड़ा दोषी बताया। पिछले विनाश के बाद पृथ्वी द्वारा निर्मित मानव उपयोग की सारी सुविधाओं को मनुष्य स्वयं बर्बाद करने लगा। मानव के द्वारा अपनी सुविधा के लिए निर्मित वस्तुएं प्रकृति के संचालन में बाधा उत्पन्न करने लगा। प्लास्टिक भी उसी का एक उदाहरण है। प्लास्टिक से होने वाले अनगिनत नुकसान, कैंसर, चिकुनगुनिया घटना आदि का उदाहरण देते हुए इसके निराकरण के लिए मानव को जागरुक करना एकमात्र साधन बताया। उन्होने पर्यावरण

के अनुकूल कागज का ठोंगा (packet) का उपयोग, जूट थैले का उपयोग एक ही प्लास्टिक का बार–बार आदि विकल्प भी सुझाया।

संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. शरद तिवारी ने विज्ञान की सूक्ष्मताओं को सरल शब्दों में समझाने के लिए डॉ. प्रियदर्शी को धन्यवाद देते हुए प्लास्टिक उपयोग को पूर्णतया बंद करने की वकालत की। संस्थान के अनुसंधान अध्येताओं श्री वेद प्रकाश दुबे, सुश्री सुष्मिता सरकार एवं श्री महेश कुमार के सवालों का उन्होनें वैज्ञानिक एवं सरल भाषा में जवाब दिया।

संस्थान के निदेशक ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में अल्प सूचना पर कार्यक्रम में भाग लेने के लिए डॉ. प्रियदर्शी को धन्यवाद दिया तथा एकल उपयोग वाले प्लास्टिक को काफी नुकसानदायक बताया। उन्होनें बताया यद्यपि कुछ कीट प्लास्टिक को भक्षण तो करता है लेकिन उत्पादन के अनुपात में इसपर काम करने में काफी अनुसंधान की आवश्यकता है। उन्होने जोर देकर कहा कि हम घर की सफाई के तरह ही आसपास की सफाई, खासकर एकल उपयोग के प्लास्टिक को एकत्र कर उसका निवारण, प्लास्टिक के जगह कागज, जूट, कपड़े आदि का उपयोग पर जोर देते हुए वानिकी में भी पौधशाला में पौधें तैयार करने के लिए प्लास्टिक के विकल्पों पर वैज्ञानिकों से शोध की अपील की। कोविड काल में प्रकृति की चर्चा करते हुए सुझाव दिया कि प्रकृति के लिए साल में 10–20 दिनों का लाकडाउन कोई बुरा निर्णय नहीं होगा, अपितु प्रकृति को स्वयं को सामान्य करने के लिए समय मिलेगा।

कार्यक्रम समाप्ति की घोषणा के पूर्व श्रीमती रुबी सुसाना कुजूर ने सभी का धन्यवाद ज्ञापन किया।

Ministry of
Environment, Forest and Climate Change
Government of India

आज़ादी का अमृत महोत्सव

INSTITUTE OF FOREST PRODUCTIVITY, RANCHI

(INDIAN COUNCIL OF FORESTRY RESEARCH AND EDUCATION)

Ranchi Gumla Road, NH-23 Ranchi

ICONIC WEEK

4 TO 10 OCT 2021

Celebration

Under the **Azadi Ka Amrit Mahotsav**

Campaign to avoid single use plastics

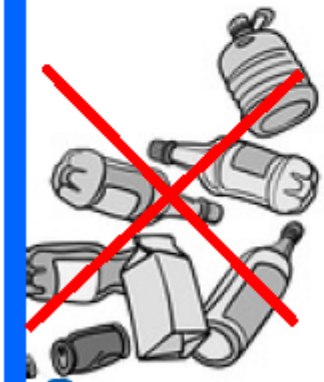

4 October, 2021 | 11:00 AM

http://ifp.icfre.gov.in @ifpranchi1 @ifpranchi

Reduce Plastic Production & Consumption

Ministry of Enviornment, Forest and Climate Change, Govt. of India

Iconic Week

आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत "प्लास्टिक उन्मूलन जागरुकता सप्ताह"

(04 अक्टुबर, 2021 से 10 अक्टुबर, 2021)

वन उत्पादकता संस्थान, रांची

(भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून)

दिनांक :06.10.2021

समय	कार्यक्रम	प्रस्तुतकर्ता
11.00 AM - 11.05 AM	कार्यक्रम का संक्षिप्त परिचय (Brief Introduction of the Programme)	श्रीमती रुबी सुसाना कुजूर, वैज्ञानिक, व.स.उ., रांची
11.05 AM - 11.10 AM	स्वागत भाषण (Welcome Address)	डॉ. योगेश्वर मिश्रा, स.स. (अनु.), व.उ.स., रांची
11.10 AM - 12.10 PM	Lecture and presentation on awareness programme "to Avoid the use of single-use plastic"	डॉ. नितिश प्रियदर्शी, पर्यावरणविद (Dr. Nitish Priyadarshi, Environmentalist)
12.10 PM - 12.20 PM	अध्यक्षीय उद्बोधन (Chairman's Speech)	डॉ. नितिन कुलकर्णी, निदेशक, व.उ.स., रांची
12.20 PM - 12.30 PM	चर्चा (Discussion)	
12.30 PM – 12.40 PM	धन्यवाद ज्ञापन (Vote of thanks)	श्रीमती रुबी सुसाना कुजूर, वैज्ञानिक, व.स.उ., रांची

कार्यक्रम की झलकियां

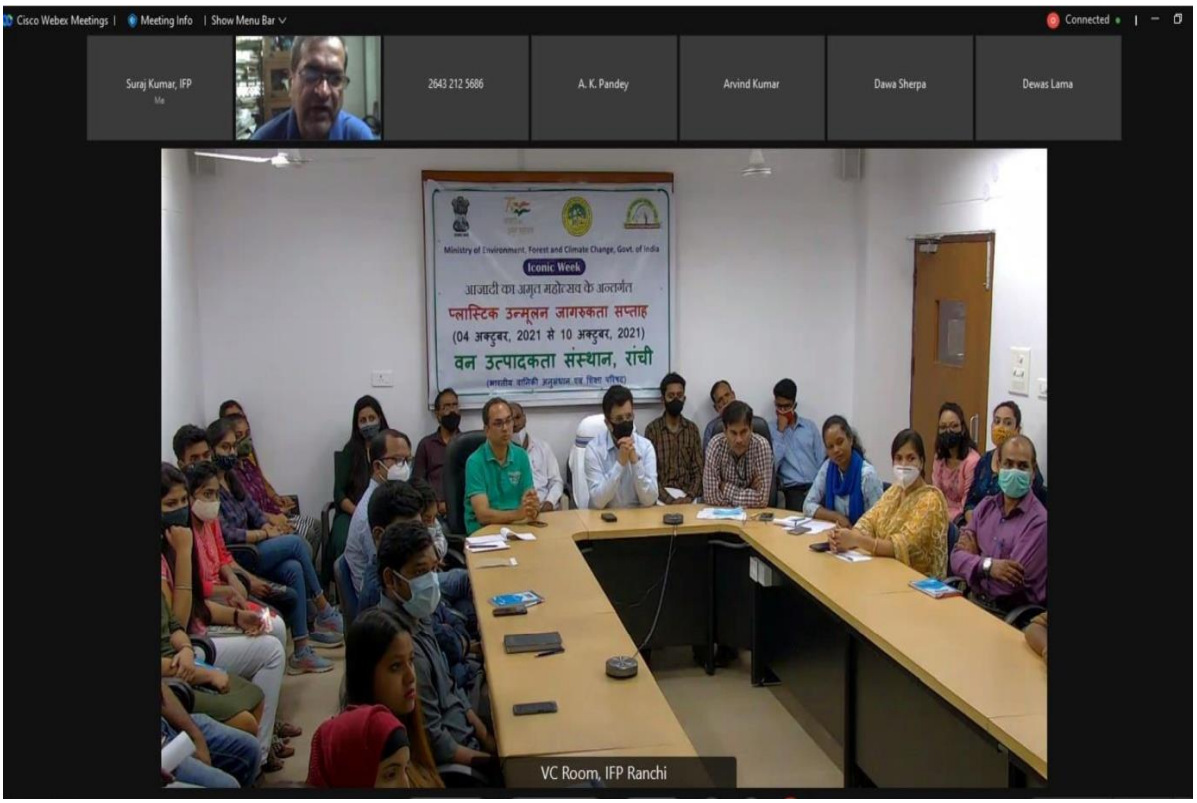

कार्यक्रम की झलकियां

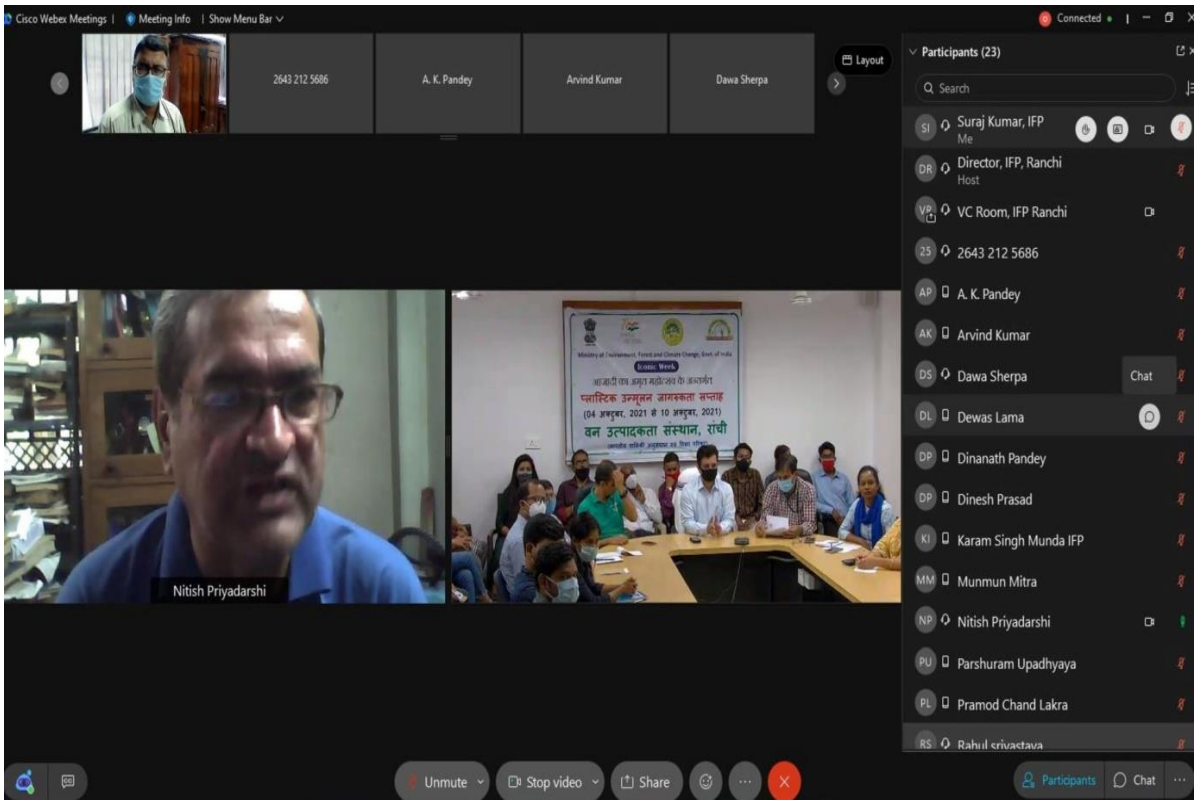

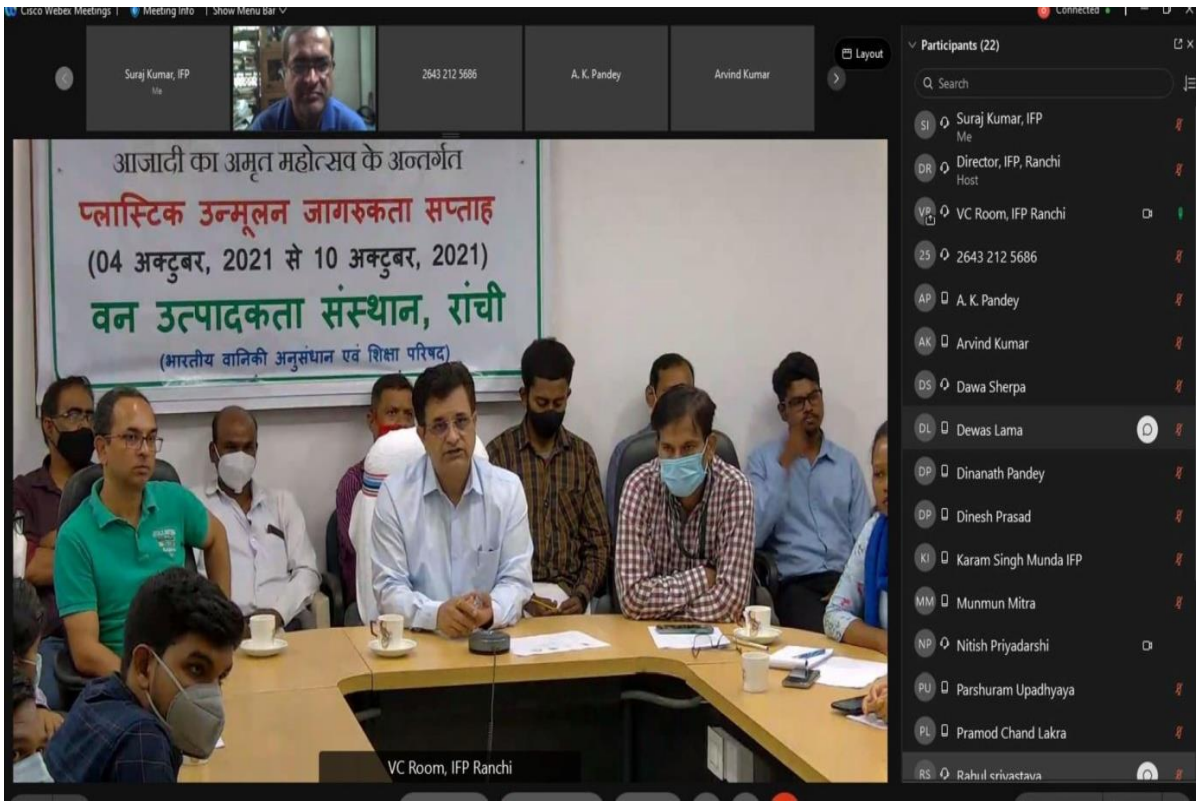

कार्यक्रम की झलकियां

कार्यक्रम की झलकियां

आयोजन (ख)

"आजादी का अमृत महोत्सव" के प्रतिष्ठित सप्ताह के अंतर्गत

राजकीय विद्यालय, लालगुटवा, रांची में आयोजित स्वच्छता अभियान

दिनांक 08.10.2021

प्रतिष्ठित सप्ताह आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत स्वच्छता अभियान निदेशक के निर्देशन में वन उत्पादकता संस्थान, रांची के श्री एस.एन.वैद्य मुख्य तकनीक अधिकारी के नेतृत्व में एक दल द्वारा आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत दिनांक 08.10.2021 को राजकीय विद्यालय, लालगुटवा में विद्यालय के प्रधानाध्यापक श्रीमती ईश्वरी कुमारी की अध्यक्षता में शिक्षकों छात्रों के साथ स्वच्छता अभियान चलाया गया जिसमे कोविड–19 का दिशा निर्देशों का अनुपालन किया गया। संस्थान के मुख्य तकनीकी अधिकारी ने कार्यक्रम का परिचय देते हुए सफाई पर ध्यान रखने,प्लास्टिक का उपयोग रोकने एवं राष्ट्रपिता महात्मा गांधीजी द्वारा स्वच्छता के प्रति आवाहन की चर्चा किया। श्रीमती ईश्वरी कुमारी ने सभी को स्वच्छता अपनाने की अपील की।घर से बाहर तक स्वच्छता अपना कर ही स्वास्थय विकास सम्भव है। उन्होने वन उत्पादकता संस्थान द्वारा आयोजित इस कर्यक्रम की सराहना की एवं बताया कि बच्चों में प्लास्टिक वहिष्कार की चेतना भरना अनिवार्य है। संस्थान के श्री बी.डी.पंडित ने स्वच्छता अभियान को जन–जन तक ले जाने के लिये विद्यालय की भूमिका को अहम बताया। उन्होने स्वच्छता एवं एकल उपयोग के प्लास्टिक निपटान में विद्यार्थियों की भूमिका असरदार बताया। पृथ्वी के सबसे बडे सफाई कर्मी सूक्ष्म कीटों का संरक्षण की आवश्यक्ता पर चर्चा करते हुए प्रकृति के साथ सहयोग की अपील की।

आखरी सत्र में शिक्षको, विद्यार्थियों के द्वारा विद्यालय परिसर एवं गावं को जोडने वाली सडक की सफाई की गयी। धन्यबाद ज्ञापन करते हुए शिक्षिका श्रीमती जोसंता कच्छप ने “स्वस्थ तन–स्वस्थ मन” को समझाते हुए शारीरिक और मानसिक विकास के लिये स्वच्छता को आवश्यक बताया।

कार्यक्रम की झलकियां

कार्यक्रम की झलकियां

कार्यक्रम की झलकियां

कार्यक्रम की झलकियां

कार्यक्रम की झलकियां

कार्यक्रम की झलकियां